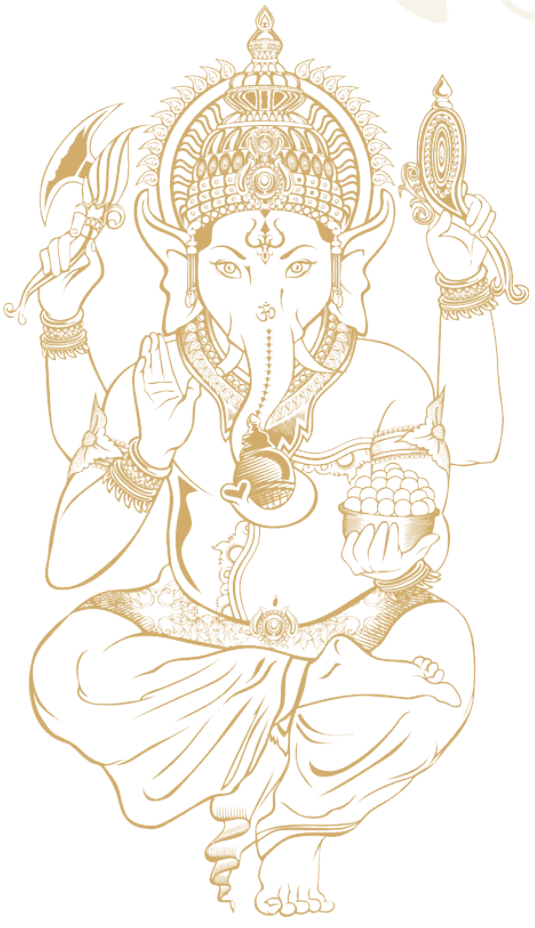

Ajay Kumar Gupta

04 Dec 1981

08:00 PM

Jaunpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121735003

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/12/1981**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:00:00 घंटे**
इष्ट	33:42:44 घटी
स्थान	**Jaunpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:44:00 उत्तर
रेखांश	82:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:00:44 घंटे
वेलान्तर	00:09:50 घंटे
साम्पातिक काल	00:54:01 घंटे
सूर्योदय	06:30:54 घंटे
सूर्यास्त	17:07:57 घंटे
दिनमान	10:37:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:45:47 वृश्चिक
लग्न के अंश	29:03:24 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	हर्षण
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सू-सूरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	29:03:24	312:48:24	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			वृश्चि	18:45:47	01:00:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	17:49:17	13:04:57	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
मंगल			कन्या	00:50:28	00:30:11	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
बुध		अ	वृश्चि	15:25:25	01:34:15	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
गुरु			तुला	07:50:52	00:11:19	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मक	03:18:05	00:45:46	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि			कन्या	25:52:47	00:05:22	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
राहु			मिथु	29:36:23	00:00:16	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	उच्च राशि
केतु			धनु	29:36:23	00:00:16	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	07:31:02	00:03:40	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
नेप			धनु	00:31:13	00:02:14	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
प्लूटो			तुला	02:26:00	00:01:49	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	---
दशम भाव			मीन	21:03:41	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:00

लग्न-चलित

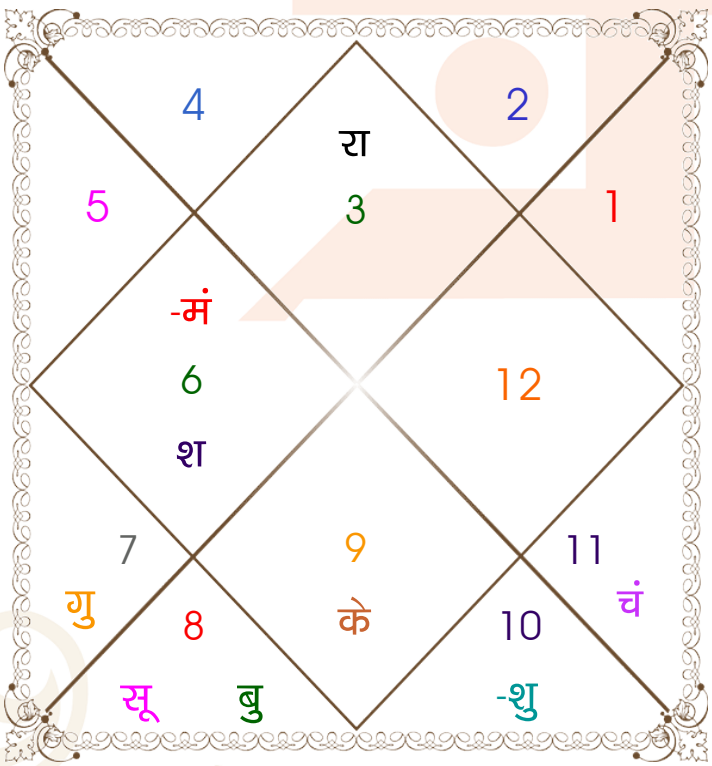

चन्द्र कुंडली

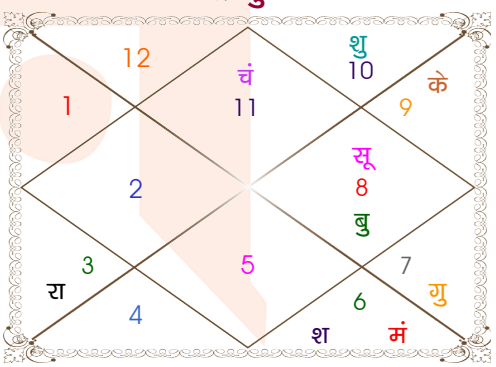

नवमांश कुंडली

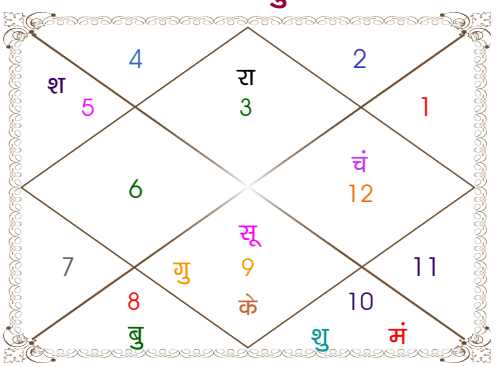

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 2 वर्ष 11 मास 8 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
04/12/1981		13/11/1984		13/11/2000		13/11/2019		13/11/2036	
13/11/1984		13/11/2000		13/11/2019		13/11/2036		13/11/2043	
	00/00/0000	गुरु	01/01/1987	शनि	16/11/2003	बुध	11/04/2022	केतु	11/04/2037
	00/00/0000	शनि	14/07/1989	बुध	26/07/2006	केतु	08/04/2023	शुक्र	11/06/2038
	00/00/0000	बुध	20/10/1991	केतु	04/09/2007	शुक्र	06/02/2026	सूर्य	17/10/2038
	00/00/0000	केतु	25/09/1992	शुक्र	04/11/2010	सूर्य	13/12/2026	चंद्र	18/05/2039
	00/00/0000	शुक्र	27/05/1995	सूर्य	17/10/2011	चंद्र	14/05/2028	मंगल	14/10/2039
	04/12/1981	सूर्य	14/03/1996	चंद्र	17/05/2013	मंगल	11/05/2029	राहु	31/10/2040
सूर्य	26/04/1982	चंद्र	14/07/1997	मंगल	26/06/2014	राहु	29/11/2031	गुरु	07/10/2041
चंद्र	26/10/1983	मंगल	20/06/1998	राहु	02/05/2017	गुरु	05/03/2034	शनि	16/11/2042
मंगल	13/11/1984	राहु	13/11/2000	गुरु	13/11/2019	शनि	13/11/2036	बुध	13/11/2043

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/11/2043		13/11/2063		13/11/2069		13/11/2079		13/11/2086	
13/11/2063		13/11/2069		13/11/2079		13/11/2086		00/00/0000	
शुक्र	15/03/2047	सूर्य	02/03/2064	चंद्र	13/09/2070	मंगल	10/04/2080	राहु	26/07/2089
सूर्य	14/03/2048	चंद्र	31/08/2064	मंगल	14/04/2071	राहु	29/04/2081	गुरु	20/12/2091
चंद्र	13/11/2049	मंगल	06/01/2065	राहु	13/10/2072	गुरु	05/04/2082	शनि	26/10/2094
मंगल	13/01/2051	राहु	01/12/2065	गुरु	12/02/2074	शनि	15/05/2083	बुध	14/05/2097
राहु	13/01/2054	गुरु	19/09/2066	शनि	13/09/2075	बुध	11/05/2084	केतु	02/06/2098
गुरु	13/09/2056	शनि	01/09/2067	बुध	12/02/2077	केतु	07/10/2084	शुक्र	02/06/2101
शनि	13/11/2059	बुध	08/07/2068	केतु	13/09/2077	शुक्र	07/12/2085	सूर्य	05/12/2101
बुध	13/09/2062	केतु	13/11/2068	शुक्र	15/05/2079	सूर्य	14/04/2086		00/00/0000
केतु	13/11/2063	शुक्र	13/11/2069	सूर्य	13/11/2079	चंद्र	13/11/2086		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 2 वर्ष 10 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।